Now-17/12/2021-16:25:17

लाल–किताब कुण्डली

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

New Delhi

Contact - 9818193410,9350247058

।। नवग्रह स्तोत्रम ।।

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम् ।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम् ।।
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम् ।
नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम् ।।
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम् ।
कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम् ।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् ।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम् ।।
देवानां च ऋषीणां च गुरुं कांचनसन्निभम् ।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम् ।
सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम् ।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।
छायामार्त्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ।।
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम् ।
सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम् ।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम् ।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ।।

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः ।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति ।।
नरनारीनृपाणां च भवेद् दुःस्वप्ननाशनम् ।
ऐश्वर्यमतुलं तेषा मारोग्यं पुष्टिवर्धनम् ।।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

ज़्योतिष सारिणी

जन्म दिन-	17 December 2021 (Friday)		
जन्म समय-	04:25:17PM		
जन्म स्थान-	Patna (bihar) , INDIA		
रेखांश-	085:07:00E	**सांपातिक काल-**	22:20:55 hrs
अक्षांश-	025:36:00N	**सूर्योदय-**	06:31:56AM
समयक्षेत्र-	-05:30:00 hrs	**सूर्यास्त-**	04:59:14PM
समय संशोधन-	00:00:00 hrs	**अयनांश-**	N.C.Lahiri (024:09:50)
जीएमटी. समय-	10:55:17 hrs	**विक्रम संवत्-**	**2078**
स्थानीय समय संस्कार-	00:10:28 hrs	**शक संवत्-**	**1943**
स्थानीय समय-	16:35:45 hrs	**संवत्सर-**	**प्लव**
		संवत्सर अधिपति-	**पितर**

अवकहड़ा चक्र

लग्न :	वृष	तत्वाधिपति :	बुध
लग्नाधिपति :	शुक्र	नाड़ी पद :	आदि
राशि (चन्द्रमा) :	वृष	नाड़ी :	अन्त
राशिपति :	शुक्र	विहग :	भारधंक
नक्षत्र :	रोहिणी	वेध :	स्वाती
नक्षत्रपति :	चन्द्र	आद्याक्षर :	आ
नक्षत्र चरण :	1		
पाया :	स्वर्ण		
ऋतु :	हेमन्त		
मास :	मार्गशीर्ष		
पक्ष :	शुक्ल		
तिथि :	चतुर्दशी		
तिथि श्रेणी :	रिक्ता		
तिथि पति :	शुक्र		
करण :	गरिज		
करण श्रेणी :	चर		
करणपति :	वासुदेव		
गण :	मनुष्य		
वर्ण :	वैश्य		
योनि :	सर्प (पु0)		
सूर्य सिद्धान्त योग :	साध्य		
रज्जु :	कंठ		
वश्य :	चतुश्पद		
तत्व :	पृथ्वी		

घात चक्र

राशि (सूर्य) :	कन्या
मास :	अग्रहण
तिथि :	5,10,15
वार :	शनिवार
नक्षत्र :	हस्ता
प्रहर :	4
लग्न :	वृष
सूर्य सिद्धान्त योग :	सुकर्मन
करण :	शकुनि

जन्म-दिन का ग्रह-	**शुक्र**
जन्म-समय का ग्रह-	**बुध**

Printed by - Mindsutra Software Technologies

लाल किताब लग्न कुण्डली

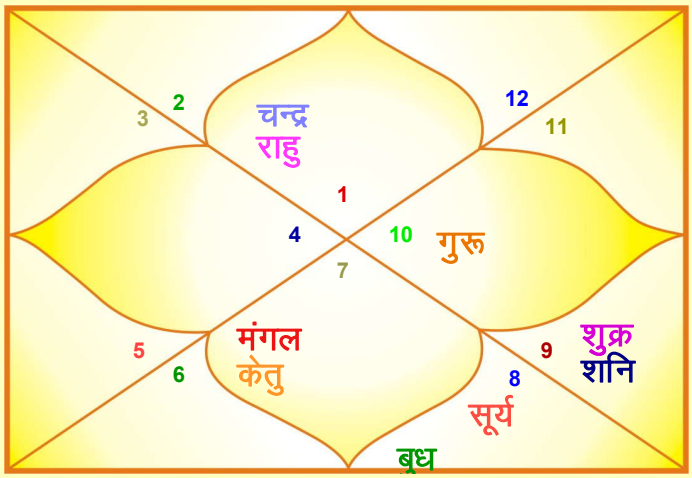

चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)

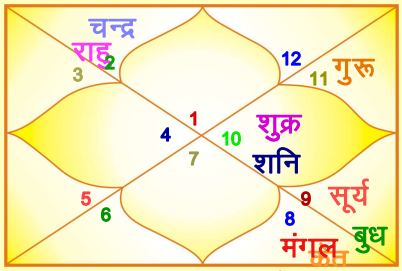

भाव चलित कुण्डली

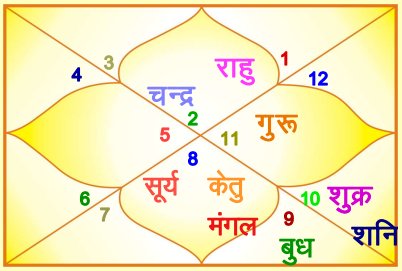

लाल किताब कुण्डली में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भावस्थ	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भा0 का ग्रह	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	अष्टम्	5	राशि				हॉ		हॉ	शुभ भाव में
चन्द्र	लग्न	4	राशि				हॉ			शुभ भाव में
मंगल	सप्तम्	1, 8	राशि			बुध			हॉ	शुभ भाव में
बुध	अष्टम्	3, 6	राशि			मंगल			हॉ	अशुभ भाव में
गुरू	दशम्	9, 12	ग्रह			शनि			हॉ	अशुभ भाव में
शुक्र	नवम्	2, 7	राशि						हॉ	अशुभ भाव में
शनि	नवम्	10, 11	ग्रह			गुरू	हॉ		हॉ	शुभ भाव में
राहु	लग्न		राशि					हॉ		अशुभ भाव में
केतु	सप्तम्		राशि						हॉ	अशुभ भाव में

लाल किताब कुण्डली में भावों (खानों) की स्थिति

खाना न॰	खाना न॰	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	किस्मत को जगाने
१	चन्द्रमा, राहु	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
२		शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
३		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
४		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
५		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
६		बुध	बुध केतु	हाँ	बुध राहु	शुक्र केतु	केतु
७	मंगल, केतु	शुक्र	शुक्र बुध		शनि		शुक्र
८	सूर्य, बुध	मंगल	मंगल शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
९	शुक्र, शनि	बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
१०	बृहस्पति	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
११		शनि	शनि	हाँ			बृहस्पति
१२		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र केतु	बुध राहु	राहु

ग्रह स्थिति

ग्रह		राशि		राशि	डिग्री	नक्षत्र – चरन	न0 पति	सप्तकारक	विशेष	विशेष
AC	लग्न	वृष		शुक्र	23:46:59	मृगशिरा.1	मंगल	...	...	...
☉	सूर्य	धनु		गुरू	01:33:17	मूल.1	केतु	दारा	मित्र के भाव में	शुभ ग्रह के साथ
☽	चन्द्र	वृष		शुक्र	12:49:32	रोहिणी.1	चन्द्र	अमात्य	मूलत्रिकोन	दुष्ट ग्रह के साथ
♂	मंगल	वृश्चिक		मंगल	08:40:13	अनुराधा.2	शनि	मात्रि	स्वग्रही	ग्रसित
☿	बुध	धनु		गुरू	11:40:36	मूल.4	केतु	भ्रात्रि	शत्रु के भाव में	दुष्ट ग्रह के साथ
♃	गुरू	कुम्भ		शनि	03:43:29	धनिष्ठा.4	मंगल	अपत्या	तटस्थ भाव में	––
♀	शुक्र	मकर		शनि	02:15:02	उत्तराषाढ़.2	सूर्य	ज्ञाति	मित्र के भाव में	दुष्ट ग्रह के साथ
♄	शनि	मकर		शनि	16:15:06	श्रवण.2	चन्द्र	आत्म	स्वग्रही	शुभ ग्रह के साथ
☊	राहु व	वृष		शुक्र	07:32:55	कृतिका.4	सूर्य	...	मित्र के भाव में	शुभ ग्रह के साथ
☋	केतु व	वृश्चिक		मंगल	07:32:55	अनुराधा.2	शनि	...	मित्र के भाव में	दुष्ट ग्रह के साथ
⚷	हर्षल व	मेष		मंगल	17:05:36	भरणी.2	शुक्र	...	––	––
♆	नेपच्यून	कुम्भ		शनि	26:18:59	पूर्वाभाद्रपद.2	गुरू	...	––	शुभ ग्रह के साथ
♇	प्लूटो	मकर		शनि	01:19:31	उत्तराषाढ़.2	सूर्य	...	––	शुभ ग्रह के साथ

लग्न कुण्डली

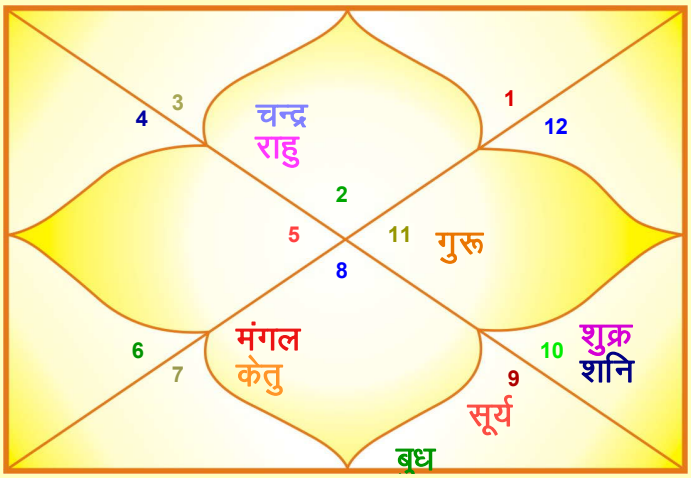

नवांश कुण्डली

चन्द्र कुण्डली

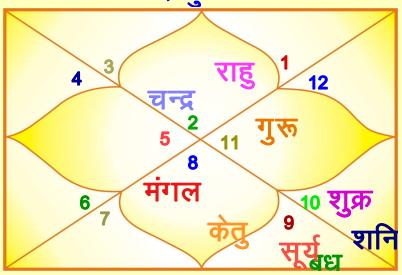

ग्रह से ग्रह और ग्रह से लग्न के बीच की दूरी

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो
लग्न	---	188	349	165	198	250	218	232	344	164	323	273	218
सूर्य	172	---	161	337	10	62	31	45	156	336	136	85	30
चन्द्र	11	199	---	176	209	261	229	243	355	175	334	283	228
मंगल	195	23	184	---	33	85	54	68	179	359	158	108	53
बुध	162	350	151	327	---	52	21	35	146	326	125	75	20
गुरू	110	298	99	275	308	---	329	343	94	274	73	23	328
शुक्र	142	329	131	306	339	31	---	14	125	305	105	54	359
शनि	128	315	117	292	325	17	346	---	111	291	91	40	345
राहु	16	204	5	181	214	266	235	249	---	180	340	289	234
केतु	196	24	185	1	34	86	55	69	180	---	160	109	54
हर्षल	37	224	26	202	235	287	255	269	20	200	---	309	254
नेपच्यून	87	275	77	252	285	337	306	320	71	251	51	---	305
प्लूटो	142	330	132	307	340	32	1	15	126	306	106	55	---

0,1,359	कन्जक्शॅन	59,60,61,299,300,301	सेक्सटाइल	89,90,91,269,270,271	स्कवायर
119,120,121,239,240,241	ट्राइन	149,150,151,209,210,211	क्वीनकक्सं	179,180,181	अपोजीसन

षोडश वर्ग

लग्न(जन्म) कुण्डली

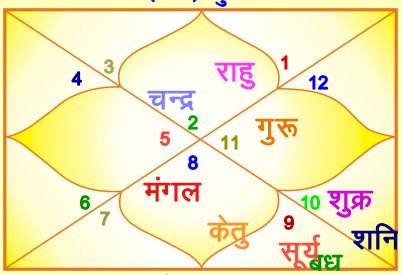

होरा कुण्डली

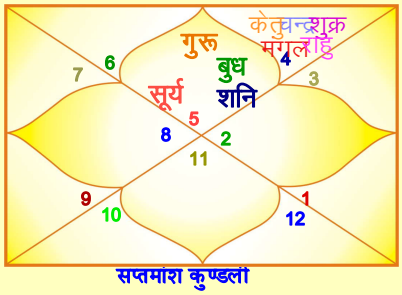

द्रेष्काण कुण्डली

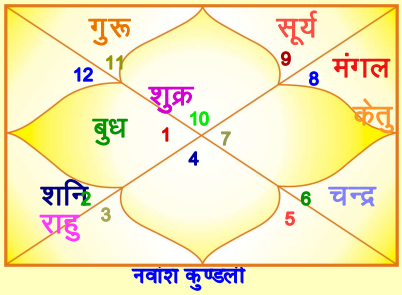

चतुर्थांश कुण्डली

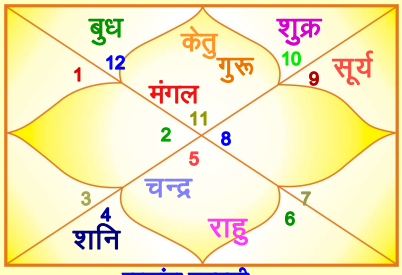

सप्तमांश कुण्डली

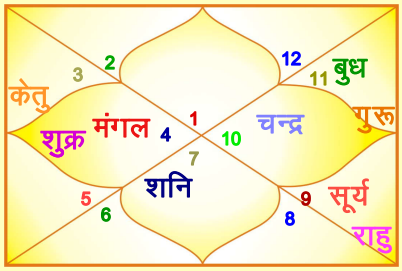

नवांश कुण्डली

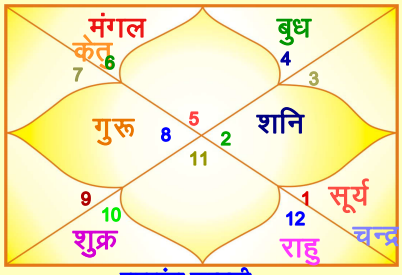

दशमांश कुण्डली

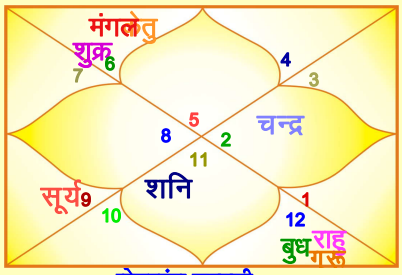

D1	मुख्य कुण्डली, सभी मुद्दों के लिए
D2	धन दौलत के लिए
D3	सहोदरों का जीवन और स्वास्थ्य
D4	भाग्य और रिहायशी मक्कन
D7	संतान और उनकी संतान
D9	जीवनसाथी और उनका स्वास्थ्य
D10	कारोबार और किसी भी कार्य में सफलता
D12	माता-पिता का जीवन और स्वास्थ्य
D16	वाहन से संबंधित बातें
D20	अध्यात्मिक रूझान
D24	शिक्षा, ज्ञान और समझ
D27	ताकत और दुर्बलता
D30	दरिद्रता, कठिनाईयां और दुर्गति
D40	शुभ-अशुभ घटनाएं
D45	सभी मुद्दों के लिए
D60	सभी मुद्दों के लिए

द्वादशांश कुण्डली

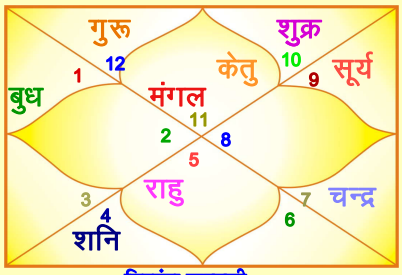

षोडशांश कुण्डली

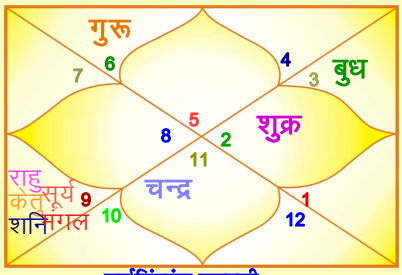

विशांश कुण्डली

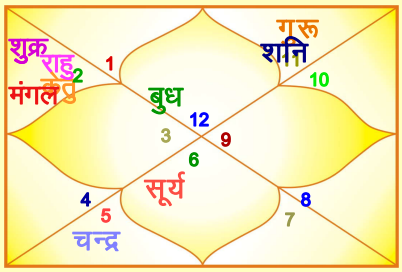

चतुर्विंशांश कुण्डली

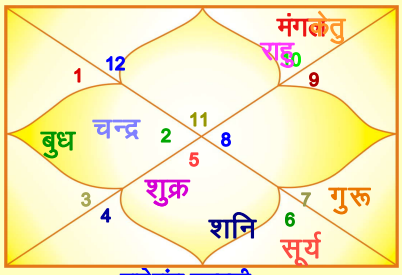

सप्तविंशांश कुण्डली

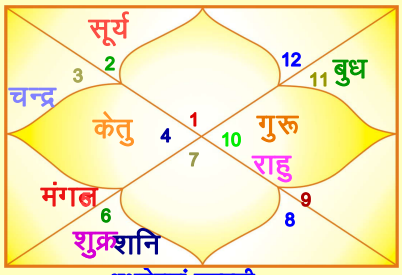

त्रिंशांश कुण्डली

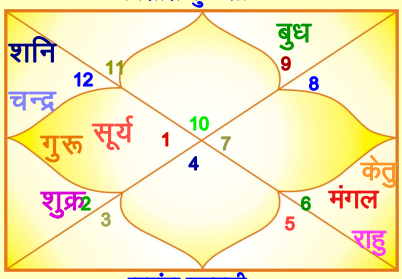

खवेदांश कुण्डली

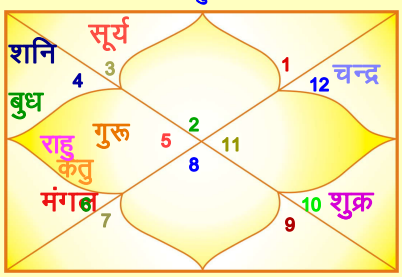

अक्षवेदांश कुण्डली

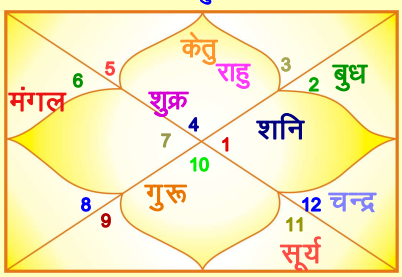

षष्ठांश कुण्डली

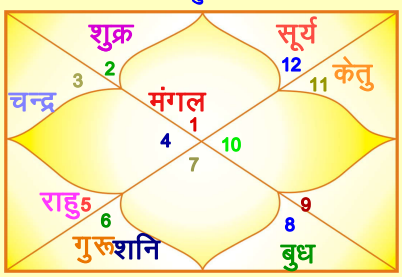

गोचर शनि

(शनि साढ़ेसाती)

द्वादशे जन्मगै राशौ द्वितीये च शनैश्चर।
सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत।।

गोचर में जब शनि ग्रह, जन्म चन्द्र से बारहवें, पहले और दूसरे भाव में भ्रमण करता है, उस समय (लगभग साढ़े सात वर्ष तक) को शनि साढ़ेसाती के नाम से जाना जाता है।

शनि साढ़ेसाती का पहला चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	मेष	03:06:2027	20:10:2027	0 y.4 m.17 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)	मेष	23:02:2028	08:08:2029	1 y.5 m.14 d.	
द्वितिय ढ़ैया	वृष	08:08:2029	05:10:2029	0 y.1 m.27 d.	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)	वृष	17:04:2030	31:05:2032	2 y.1 m.14 d.	
तृतिय ढ़ैया	मिथुन	31:05:2032	13:07:2034	2 y.1 m.12 d.	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)					
कंटक शनि	सिंह	27:08:2036	22:10:2038	2 y.1 m.25 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	सिंह	05:04:2039	13:07:2039	0 y.3 m.8 d.	
अष्टम शनि	धनु	08:12:2046	06:03:2049	2 y.2 m.27 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)	धनु	10:07:2049	04:12:2049	0 y.4 m.25 d.	

शनि साढ़ेसाती का दूसरा चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	मेष	07:04:2057	28:05:2059	2 y.1 m.20 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)					
द्वितिय ढ़ैया	वृष	28:05:2059	11:07:2061	2 y.1 m.13 d.	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)	वृष	13:02:2062	07:03:2062	0 y.0 m.22 d.	
तृतिय ढ़ैया	मिथुन	11:07:2061	13:02:2062	0 y.7 m.4 d.	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	मिथुन	07:03:2062	24:08:2063	1 y.5 m.18 d.	
कंटक शनि	सिंह	13:10:2065	03:02:2066	0 y.3 m.21 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	सिंह	03:07:2066	30:08:2068	2 y.1 m.28 d.	
अष्टम शनि	धनु	16:01:2076	11:07:2076	0 y.5 m.24 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)	धनु	11:10:2076	15:01:2079	2 y.3 m.4 d.	

शनि साढ़ेसाती का तीसरा चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	मेष	21:05:2086	10:11:2086	0 y.5 m.21 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)	मेष	08:02:2087	18:07:2088	1 y.5 m.8 d.	
द्वितिय ढ़ैया	वृष	18:07:2088	31:10:2088	0 y.3 m.13 d.	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)	वृष	05:04:2089	19:09:2090	1 y.5 m.15 d.	
तृतिय ढ़ैया	मिथुन	19:09:2090	25:10:2090	0 y.1 m.6 d.	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	मिथुन	21:05:2091	02:07:2093	2 y.1 m.11 d.	
कंटक शनि	सिंह	18:08:2095	11:10:2097	2 y.1 m.23 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	सिंह	02:05:2098	20:06:2098	0 y.1 m.18 d.	
अष्टम शनि	धनु	29:11:2105	25:02:2108	2 y.2 m.27 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)	धनु	29:07:2108	23:11:2108	0 y.3 m.25 d.	

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी ोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२४:०६:५०) : चन्द्र : 7 व 10 मा 17 दि

क0 स0	ग्रह दशा	अवधि	से ———————— तक
1	☽ चन्द्र महादशा	7 y.10 m.17 d.	17:12:2021 --- 04:11:2029
2	♂ मंगल महादशा	7 y.0 m.0 d.	04:11:2029 --- 04:11:2036
3	☊ राहु महादशा	18 y.0 m.0 d.	04:11:2036 --- 04:11:2054
4	♃ गुरू महादशा	16 y.0 m.0 d.	04:11:2054 --- 04:11:2070
5	♄ शनि महादशा	19 y.0 m.0 d.	04:11:2070 --- 04:11:2089
6	☿ बुध महादशा	17 y.0 m.0 d.	04:11:2089 --- 04:11:2106
7	☋ केतु महादशा	7 y.0 m.0 d.	04:11:2106 --- 04:11:2113
8	♀ शुक्र महादशा	20 y.0 m.0 d.	04:11:2113 --- 04:11:2133
9	☉ सूर्य महादशा	6 y.0 m.0 d.	04:11:2133 --- 04:11:2139

विंशोत्तरी अन्तर्दशा

चन्द्र दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
चन्द्र	
मंगल	
राहु	17:12:2021 - 04:10:2022
गुरू	04:10:2022 - 03:02:2024
शनि	03:02:2024 - 04:09:2025
बुध	04:09:2025 - 03:02:2027
केतु	03:02:2027 - 04:09:2027
शुक्र	04:09:2027 - 05:05:2029
सूर्य	05:05:2029 - 04:11:2029

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
मंगल	04:11:2029 - 02:04:2030
राहु	02:04:2030 - 20:04:2031
गुरू	20:04:2031 - 26:03:2032
शनि	26:03:2032 - 05:05:2033
बुध	05:05:2033 - 02:05:2034
केतु	02:05:2034 - 28:09:2034
शुक्र	28:09:2034 - 28:11:2035
सूर्य	28:11:2035 - 04:04:2036
चन्द्र	04:04:2036 - 04:11:2036

राहु दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
राहु	04:11:2036 - 17:07:2039
गुरू	17:07:2039 - 10:12:2041
शनि	10:12:2041 - 16:10:2044
बुध	16:10:2044 - 05:05:2047
केतु	05:05:2047 - 23:05:2048
शुक्र	23:05:2048 - 24:05:2051
सूर्य	24:05:2051 - 16:04:2052
चन्द्र	16:04:2052 - 17:10:2053
मंगल	17:10:2053 - 04:11:2054

गुरू दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
गुरू	04:11:2054 - 22:12:2056
शनि	22:12:2056 - 05:07:2059
बुध	05:07:2059 - 10:10:2061
केतु	10:10:2061 - 16:09:2062
शुक्र	16:09:2062 - 17:05:2065
सूर्य	17:05:2065 - 05:03:2066
चन्द्र	05:03:2066 - 05:07:2067
मंगल	05:07:2067 - 10:06:2068
राहु	10:06:2068 - 04:11:2070

शनि दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
शनि	04:11:2070 - 07:11:2073
बुध	07:11:2073 - 17:07:2076
केतु	17:07:2076 - 26:08:2077
शुक्र	26:08:2077 - 25:10:2080
सूर्य	25:10:2080 - 07:10:2081
चन्द्र	07:10:2081 - 08:05:2083
मंगल	08:05:2083 - 16:06:2084
राहु	16:06:2084 - 23:04:2087
गुरू	23:04:2087 - 04:11:2089

बुध दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
बुध	04:11:2089 - 01:04:2092
केतु	01:04:2092 - 30:03:2093
शुक्र	30:03:2093 - 28:01:2096
सूर्य	28:01:2096 - 04:12:2096
चन्द्र	04:12:2096 - 05:05:2098
मंगल	05:05:2098 - 02:05:2099
राहु	02:05:2099 - 19:11:2101
गुरू	19:11:2101 - 24:02:2104
शनि	24:02:2104 - 04:11:2106

केतु दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
केतु	04:11:2106 - 02:04:2107
शुक्र	02:04:2107 - 01:06:2108
सूर्य	01:06:2108 - 07:10:2108
चन्द्र	07:10:2108 - 08:05:2109
मंगल	08:05:2109 - 04:10:2109
राहु	04:10:2109 - 23:10:2110
गुरू	23:10:2110 - 28:09:2111
शनि	28:09:2111 - 07:11:2112
बुध	07:11:2112 - 04:11:2113

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
शुक्र	04:11:2113 - 05:03:2117
सूर्य	05:03:2117 - 05:03:2118
चन्द्र	05:03:2118 - 04:11:2119
मंगल	04:11:2119 - 04:01:2121
राहु	04:01:2121 - 04:01:2124
गुरू	04:01:2124 - 04:09:2126
शनि	04:09:2126 - 04:11:2129
बुध	04:11:2129 - 04:09:2132
केतु	04:09:2132 - 04:11:2133

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
सूर्य	04:11:2133 - 21:02:2134
चन्द्र	21:02:2134 - 23:08:2134
मंगल	23:08:2134 - 29:12:2134
राहु	29:12:2134 - 22:11:2135
गुरू	22:11:2135 - 10:09:2136
शनि	10:09:2136 - 23:08:2137
बुध	23:08:2137 - 29:06:2138
केतु	29:06:2138 - 04:11:2138
शुक्र	04:11:2138 - 04:11:2139

विंशोत्तरी दशा

चन्द्र महादशा (17:12:2021 से 04:11:2029)

प्रत्यन्तर्दशा	से –

प्रत्यन्तर्दशा	से –

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	17:12:2021
केतु	18:02:2022
शुक्र	22:03:2022
सूर्य	21:06:2022
चन्द्र	19:07:2022
मंगल	02:09:2022

गुरू अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
गुरू	04:10:2022
शनि	08:12:2022
बुध	23:02:2023
केतु	03:05:2023
शुक्र	01:06:2023
सूर्य	21:08:2023
चन्द्र	14:09:2023
मंगल	25:10:2023
राहु	22:11:2023

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	03:02:2024
बुध	05:05:2024
केतु	26:07:2024
शुक्र	29:08:2024
सूर्य	03:12:2024
चन्द्र	01:01:2025
मंगल	18:02:2025
राहु	24:03:2025
गुरू	19:06:2025

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	04:09:2025
केतु	16:11:2025
शुक्र	16:12:2025
सूर्य	13:03:2026
चन्द्र	07:04:2026
मंगल	20:05:2026
राहु	20:06:2026
गुरू	05:09:2026
शनि	13:11:2026

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	03:02:2027
शुक्र	15:02:2027
सूर्य	23:03:2027
चन्द्र	03:04:2027
मंगल	20:04:2027
राहु	03:05:2027
गुरू	04:06:2027
शनि	02:07:2027
बुध	05:08:2027

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	04:09:2027
सूर्य	14:12:2027
चन्द्र	14:01:2028
मंगल	05:03:2028
राहु	09:04:2028
गुरू	10:07:2028
शनि	29:09:2028
बुध	04:01:2029
केतु	31:03:2029

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	05:05:2029
चन्द्र	14:05:2029
मंगल	30:05:2029
राहु	09:06:2029
गुरू	07:07:2029
शनि	31:07:2029
बुध	29:08:2029
केतु	24:09:2029
शुक्र	04:10:2029

Printed by - Mindsutra Software Technologies

विंशोत्तरी दशा

मंगल महादशा (04:11:2029 से 04:11:2036)

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	04:11:2029
राहु	12:11:2029
गुरू	05:12:2029
शनि	25:12:2029
बुध	17:01:2030
केतु	07:02:2030
शुक्र	16:02:2030
सूर्य	13:03:2030
चन्द्र	20:03:2030

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	02:04:2030
गुरू	29:05:2030
शनि	19:07:2030
बुध	18:09:2030
केतु	11:11:2030
शुक्र	04:12:2030
सूर्य	06:02:2031
चन्द्र	25:02:2031
मंगल	29:03:2031

गुरू अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
गुरू	20:04:2031
शनि	04:06:2031
बुध	28:07:2031
केतु	15:09:2031
शुक्र	05:10:2031
सूर्य	30:11:2031
चन्द्र	17:12:2031
मंगल	15:01:2032
राहु	04:02:2032

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	26:03:2032
बुध	29:05:2032
केतु	26:07:2032
शुक्र	18:08:2032
सूर्य	25:10:2032
चन्द्र	14:11:2032
मंगल	18:12:2032
राहु	11:01:2033
गुरू	12:03:2033

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	05:05:2033
केतु	26:06:2033
शुक्र	17:07:2033
सूर्य	15:09:2033
चन्द्र	03:10:2033
मंगल	02:11:2033
राहु	23:11:2033
गुरू	17:01:2034
शनि	06:03:2034

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	02:05:2034
शुक्र	11:05:2034
सूर्य	05:06:2034
चन्द्र	12:06:2034
मंगल	25:06:2034
राहु	03:07:2034
गुरू	26:07:2034
शनि	15:08:2034
बुध	07:09:2034

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	28:09:2034
सूर्य	08:12:2034
चन्द्र	30:12:2034
मंगल	03:02:2035
राहु	28:02:2035
गुरू	03:05:2035
शनि	28:06:2035
बुध	04:09:2035
केतु	03:11:2035

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	28:11:2035
चन्द्र	04:12:2035
मंगल	15:12:2035
राहु	23:12:2035
गुरू	11:01:2036
शनि	28:01:2036
बुध	17:02:2036
केतु	06:03:2036
शुक्र	14:03:2036

चन्द्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्र	04:04:2036
मंगल	22:04:2036
राहु	04:05:2036
गुरू	05:06:2036
शनि	04:07:2036
बुध	07:08:2036
केतु	06:09:2036
शुक्र	18:09:2036
सूर्य	24:10:2036

Printed by - Mindsutra Software Technologies

विंशोत्तरी दशा

राहु महादशा (04:11:2036 से 04:11:2054)

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	04:11:2036
गुरू	01:04:2037
शनि	10:08:2037
बुध	13:01:2038
केतु	02:06:2038
शुक्र	29:07:2038
सूर्य	09:01:2039
चन्द्र	28:02:2039
मंगल	21:05:2039

गुरू अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
गुरू	17:07:2039
शनि	11:11:2039
बुध	29:03:2040
केतु	31:07:2040
शुक्र	21:09:2040
सूर्य	14:02:2041
चन्द्र	30:03:2041
मंगल	11:06:2041
राहु	01:08:2041

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	10:12:2041
बुध	24:05:2042
केतु	18:10:2042
शुक्र	18:12:2042
सूर्य	09:06:2043
चन्द्र	31:07:2043
मंगल	26:10:2043
राहु	26:12:2043
गुरू	30:05:2044

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	16:10:2044
केतु	25:02:2045
शुक्र	21:04:2045
सूर्य	23:09:2045
चन्द्र	08:11:2045
मंगल	25:01:2046
राहु	20:03:2046
गुरू	07:08:2046
शनि	09:12:2046

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	05:05:2047
शुक्र	28:05:2047
सूर्य	30:07:2047
चन्द्र	19:08:2047
मंगल	20:09:2047
राहु	12:10:2047
गुरू	08:12:2047
शनि	29:01:2048
बुध	29:03:2048

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	23:05:2048
सूर्य	22:11:2048
चन्द्र	16:01:2049
मंगल	17:04:2049
राहु	20:06:2049
गुरू	01:12:2049
शनि	26:04:2050
बुध	17:10:2050
केतु	21:03:2051

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	24:05:2051
चन्द्र	09:06:2051
मंगल	06:07:2051
राहु	25:07:2051
गुरू	13:09:2051
शनि	27:10:2051
बुध	18:12:2051
केतु	02:02:2052
शुक्र	21:02:2052

चन्द्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्र	16:04:2052
मंगल	01:06:2052
राहु	03:07:2052
गुरू	23:09:2052
शनि	06:12:2052
बुध	02:03:2053
केतु	19:05:2053
शुक्र	20:06:2053
सूर्य	19:09:2053

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	17:10:2053
राहु	08:11:2053
गुरू	04:01:2054
शनि	24:02:2054
बुध	26:04:2054
केतु	19:06:2054
शुक्र	12:07:2054
सूर्य	14:09:2054
चन्द्र	03:10:2054

Printed by - Mindsutra Software Technologies

विंशोत्तरी दशा

केतु महादशा (04:11:2106 से 04:11:2113)

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	04:11:2106
शुक्र	12:11:2106
सूर्य	07:12:2106
चन्द्र	15:12:2106
मंगल	27:12:2106
राहु	05:01:2107
गुरू	27:01:2107
शनि	16:02:2107
बुध	12:03:2107

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	02:04:2107
सूर्य	12:06:2107
चन्द्र	03:07:2107
मंगल	08:08:2107
राहु	01:09:2107
गुरू	04:11:2107
शनि	31:12:2107
बुध	08:03:2108
केतु	07:05:2108

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	01:06:2108
चन्द्र	07:06:2108
मंगल	18:06:2108
राहु	26:06:2108
गुरू	15:07:2108
शनि	01:08:2108
बुध	21:08:2108
केतु	08:09:2108
शुक्र	16:09:2108

चन्द्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्र	07:10:2108
मंगल	25:10:2108
राहु	06:11:2108
गुरू	08:12:2108
शनि	06:01:2109
बुध	09:02:2109
केतु	11:03:2109
शुक्र	23:03:2109
सूर्य	28:04:2109

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	08:05:2109
राहु	17:05:2109
गुरू	08:06:2109
शनि	28:06:2109
बुध	22:07:2109
केतु	12:08:2109
शुक्र	21:08:2109
सूर्य	14:09:2109
चन्द्र	22:09:2109

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	04:10:2109
गुरू	01:12:2109
शनि	21:01:2110
बुध	23:03:2110
केतु	16:05:2110
शुक्र	07:06:2110
सूर्य	10:08:2110
चन्द्र	29:08:2110
मंगल	30:09:2110

गुरू अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
गुरू	23:10:2110
शनि	07:12:2110
बुध	30:01:2111
केतु	19:03:2111
शुक्र	08:04:2111
सूर्य	04:06:2111
चन्द्र	21:06:2111
मंगल	19:07:2111
राहु	08:08:2111

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	28:09:2111
बुध	01:12:2111
केतु	28:01:2112
शुक्र	20:02:2112
सूर्य	28:04:2112
चन्द्र	18:05:2112
मंगल	21:06:2112
राहु	15:07:2112
गुरू	14:09:2112

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	07:11:2112
केतु	28:12:2112
शुक्र	18:01:2113
सूर्य	20:03:2113
चन्द्र	07:04:2113
मंगल	07:05:2113
राहु	28:05:2113
गुरू	21:07:2113
शनि	07:09:2113

Printed by - Mindsutra Software Technologies

विंशोत्तरी दशा

शुक्र महादशा (04:11:2113 से 04:11:2133)

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	04:11:2113
सूर्य	26:05:2114
चन्द्र	25:07:2114
मंगल	04:11:2114
राहु	14:01:2115
गुरू	15:07:2115
शनि	24:12:2115
बुध	05:07:2116
केतु	24:12:2116

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	05:03:2117
चन्द्र	24:03:2117
मंगल	23:04:2117
राहु	14:05:2117
गुरू	08:07:2117
शनि	26:08:2117
बुध	23:10:2117
केतु	13:12:2117
शुक्र	04:01:2118

चन्द्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्र	05:03:2118
मंगल	25:04:2118
राहु	31:05:2118
गुरू	30:08:2118
शनि	19:11:2118
बुध	23:02:2119
केतु	20:05:2119
शुक्र	25:06:2119
सूर्य	04:10:2119

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	04:11:2119
राहु	29:11:2119
गुरू	01:02:2120
शनि	28:03:2120
बुध	04:06:2120
केतु	04:08:2120
शुक्र	29:08:2120
सूर्य	08:11:2120
चन्द्र	29:11:2120

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	04:01:2121
गुरू	17:06:2121
शनि	10:11:2121
बुध	02:05:2122
केतु	04:10:2122
शुक्र	07:12:2122
सूर्य	08:06:2123
चन्द्र	01:08:2123
मंगल	01:11:2123

गुरू अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
गुरू	04:01:2124
शनि	13:05:2124
बुध	14:10:2124
केतु	01:03:2125
शुक्र	27:04:2125
सूर्य	06:10:2125
चन्द्र	24:11:2125
मंगल	13:02:2126
राहु	11:04:2126

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	04:09:2126
बुध	06:03:2127
केतु	17:08:2127
शुक्र	23:10:2127
सूर्य	03:05:2128
चन्द्र	30:06:2128
मंगल	05:10:2128
राहु	11:12:2128
गुरू	03:06:2129

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	04:11:2129
केतु	30:03:2130
शुक्र	30:05:2130
सूर्य	18:11:2130
चन्द्र	09:01:2131
मंगल	05:04:2131
राहु	04:06:2131
गुरू	06:11:2131
शनि	23:03:2132

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	04:09:2132
शुक्र	29:09:2132
सूर्य	09:12:2132
चन्द्र	30:12:2132
मंगल	04:02:2133
राहु	28:02:2133
गुरू	03:05:2133
शनि	29:06:2133
बुध	04:09:2133

Printed by - Mindsutra Software Technologies

विंशोत्तरी दशा

सूर्य महादशा (04:11:2133 से 04:11:2139)

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	04:11:2133
चन्द्र	09:11:2133
मंगल	18:11:2133
राहु	25:11:2133
गुरू	11:12:2133
शनि	26:12:2133
बुध	12:01:2134
केतु	28:01:2134
शुक्र	03:02:2134

चन्द्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्र	21:02:2134
मंगल	08:03:2134
राहु	19:03:2134
गुरू	15:04:2134
शनि	10:05:2134
बुध	08:06:2134
केतु	04:07:2134
शुक्र	14:07:2134
सूर्य	14:08:2134

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	23:08:2134
राहु	30:08:2134
गुरू	18:09:2134
शनि	05:10:2134
बुध	26:10:2134
केतु	13:11:2134
शुक्र	20:11:2134
सूर्य	11:12:2134
चन्द्र	18:12:2134

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	29:12:2134
गुरू	16:02:2135
शनि	01:04:2135
बुध	23:05:2135
केतु	08:07:2135
शुक्र	27:07:2135
सूर्य	20:09:2135
चन्द्र	06:10:2135
मंगल	03:11:2135

गुरू अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
गुरू	22:11:2135
शनि	31:12:2135
बुध	15:02:2136
केतु	28:03:2136
शुक्र	14:04:2136
सूर्य	02:06:2136
चन्द्र	16:06:2136
मंगल	11:07:2136
राहु	28:07:2136

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	10:09:2136
बुध	04:11:2136
केतु	23:12:2136
शुक्र	12:01:2137
सूर्य	11:03:2137
चन्द्र	28:03:2137
मंगल	26:04:2137
राहु	17:05:2137
गुरू	08:07:2137

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	23:08:2137
केतु	06:10:2137
शुक्र	24:10:2137
सूर्य	15:12:2137
चन्द्र	30:12:2137
मंगल	25:01:2138
राहु	12:02:2138
गुरू	31:03:2138
शनि	11:05:2138

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	29:06:2138
शुक्र	06:07:2138
सूर्य	28:07:2138
चन्द्र	03:08:2138
मंगल	14:08:2138
राहु	21:08:2138
गुरू	09:09:2138
शनि	26:09:2138
बुध	17:10:2138

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	04:11:2138
सूर्य	04:01:2139
चन्द्र	22:01:2139
मंगल	21:02:2139
राहु	15:03:2139
गुरू	08:05:2139
शनि	26:06:2139
बुध	23:08:2139
केतु	13:10:2139

ग्रहफल लाल–किताब

आपकी लाल किताब कुण्डली में सूर्य आठवें भाव में स्थित है। आप बहुत क्रोधी स्वभाव के होंगे। आप ईमानदार और विनम्र होंगे। आप अपने ईमानदार प्रयासों और समर्पित परिश्रम से जीवन में प्रगति करेंगे। आप हर काम करने का प्रयास करेंगे। आप धैर्यवान नहीं हो सकते हैं।आप दीर्घायु होंगे। यदि आप अपनी बहन के साथ उसके पति के घर पर रहते हैं और वहॉपर किसी प्रकार की कोई चोरी नहीं करते हैं तो आपको उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आप भाग्यवान होंगे। आपके सामने किसी की मृत्यु नहीं होगी। यदि आप किसी बीमार व्यक्ति के पास बैठ जायेंगे तो वह स्वस्थ हो जायेगा। सामान्यतः आपका जीवन सुखी और आन्नदपूर्ण होगा। कभी–कभी आपको अपमान सहना पड़ सकता है। अन्य लोग आपके धन का उपयोग कर सकते हैं। आपका स्वभाव साधु जैसा हो सकता है। आप अपने कार्यों को मानवता के कल्याण के लिये समर्पित करने का प्रयास करेंगे।

यदि आप महिलाओं से झगड़ा करते हैं, अपने ससुराल वालों के लिये समस्या पैदा करते हैं, धोखाधड़ी और चोरी करने की गलत नियत रखेंगे, आपके घर का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में है तो आपका सूर्य कमजोर हो सकता है। यदि आपका सूर्य किसी कारणवश कमजोर हो जाताहै तो आपको कोई गुप्त रोग हो सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती

Printed by - Mindsutra Software Technologies

है। सरकार के कारण आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी नजर कमजोर हो सकती है। यदि पराई महिलाओं के साथ आपके गलत सम्बन्ध हैं तो आपको धोखा मिलेगा। अपने गलत मित्रों के कारण आपका जीवन बर्बाद हो सकता है। जहरीले जीवोंसे सावधान रहें। वे आपकी मृत्यु का कारण बन सकते हैं। आपको पीठ में दर्द हो सकता है। आपको आर्थिक हानि हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– रसोई की पवित्रता को सदैव बनाये रखें।
2– पराई महिलाओं के साथ अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

उपाय :

1– गाय या बड़े भाई की सेवा करें।
2– जल में चीनी मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें।

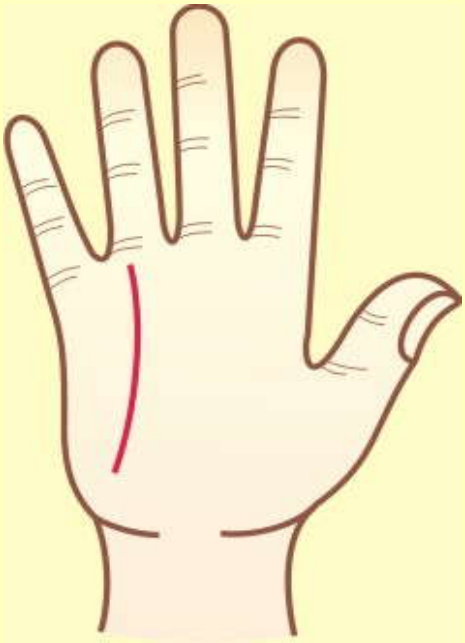

आपकी लाल किताब कुण्डली में चन्द्रमा पहले भाव में स्थित है। आपका जन्म काफी मिन्नतों के बाद हुआ होगा या आपका जन्म एक से अधिक बहनों के जन्म के बाद हुआ होगा। आपमें सबको आकर्षित करने की क्षमता होगी। आपको सफेद कपड़े पहनना पसन्द होगा। आपका स्वभाव शांत और विनम्र होगा। आप सुंदर होंगे। आप विद्वान होंगे और आपको कई भाषाओं का ज्ञान होगा। आपको पैतृक घर प्राप्त होगा। आप सम्पन्न होंगे और आपको जीवन में धन की कभी कमी नहीं होगी। यदि आपका विवाह 28 साल की आयु में होता है तो आप सारा जीवन सुखी रहेंगे। आपको किसी व्यक्ति की सम्पत्ति या धन प्राप्त होगा और इससे आप धनीहो जायेंगे। जब तक आपकी माता जीवित हैं, आपको धन की कमी नहीं होगी। आप दीर्घायु होंगे। आपको सरकार से सम्मान प्राप्त होगा। आपके जन्म के बाद आपके पिता की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके पिता को व्यापार, आर्थिक लाभ और जीवन से संबंधितशुभ परिणाम प्राप्त होंगे। यदि आप 24 से 27 साल की आयु के बीच कोई यात्रा करते हैं तो यात्रा से वापस आने के बाद अपनी माता का आशीर्वाद लें। इससे आपकी माता दीर्घायु होंगी। आपको 24 साल की आयु से पहले अपना घर नहीं बनवाना चाहिये। आपकी वृद्धावस्थासुख से पूर्ण होगी।

यदि आप 24 साल से पहले अपना घर बनवाते हैं, 28 साल की आयु में विवाह करते हैं, अपनीआया से झगड़ा करते हैं या गाय को कष्ट देते हैं तो आपका चन्द्रमा कमजोर हो सकताहै। यदि आपका चन्द्रमा किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप पानी में डूब सकते हैं। आपको मानसिक शांति नहीं मिल सकती है और आप चिन्तित रह सकते हैं। आपको मानसिक रोग हो सकता है। आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रह सकता है। आपको दिल और ऑख से सम्बन्धित रोग हो सकते हैं। आपको पुत्र का सुख प्राप्त नहीं हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– अपनी माता या बूढ़ी औरतों से झगड़ा न करें।
2– आपको नैतिक मार्ग से विचलित नहीं होना चाहिये।

उपाय :

1– चांदी के गिलास में पानी या दूध पियें।
2– पीपल के वृक्ष पर जल चढ़ायें।

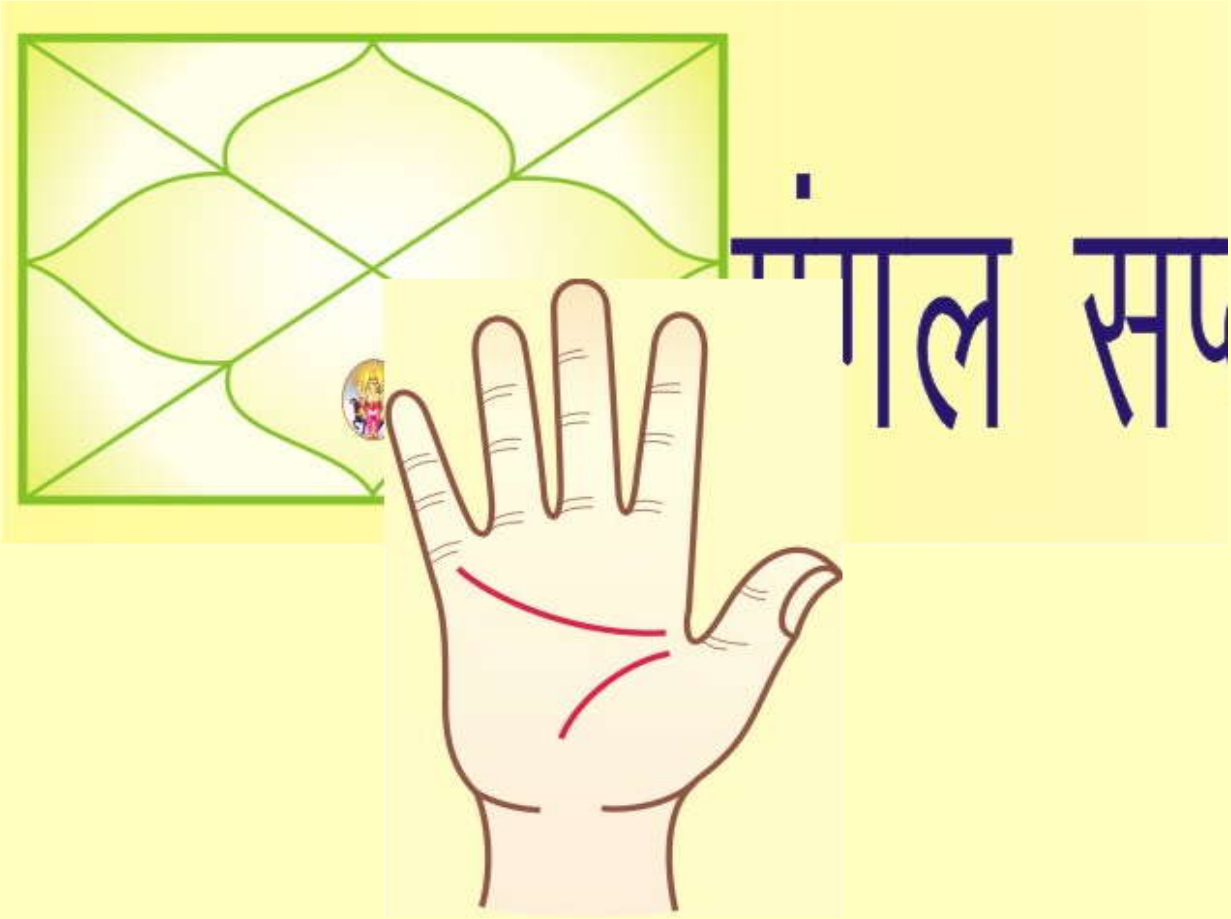

आपकी लाल किताब कुण्डली में मंगल सातवें भाव में स्थित है। आपको सभी प्रकार के सुख प्राप्त होंगे और आप एक राजसी जीवन व्यतीत करेंगे। आपके भाई आपकी मदद करेंगे और आपको उनसे लाभ प्राप्त होगा। आपकी संतान प्रगति करेगी। आपका वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा होगा और आपको जीवनसाथी से पूर्ण सुख प्राप्त होगा। आपके परिवार के सदस्य आपकी मदद करेंगे। आप सज्जन, दयालु और परोपकारी होंगे। आप जरूरतमंदों और दुःखी लोगों की सहायता करेंगे। आप दूसरों को खुशियां प्रदान करेंगे। आप न्यायप्रिय होंगे और आपको नाम और यश प्राप्त होगा। आप न्यायाधीश या सरपंच हो सकते हैं या आपको इस

Printed by - Mindsutra Software Technologies

प्रकार के अधिकार मिल सकते हैं, जिसमें आपको सत्यता का पता लगाकर न्याय करना होगा।आपको ज्योतिषशास्त्र में रूचि होगी। यदि आप सरकार नौकरी में हैं तो आपका स्तर उठेगा। आप जो कुछ चाहेंगे, कम से कम एक बार वह आपको अवश्य मिलेगा। आप अपने परिवार का संरक्षण करेंगे, परिवार के सदस्यों की प्रगति में योगदान देंगे।

यदि आप लोगों से झगड़ा करेंगे, पराई औरतों के साथ अनैतिक संबंध रखेंगे, पुत्री के पिता होंगे तो आपका मंगल कमजोर हो सकता है। यदि आपका मंगल किसी कारणवश कमजोर होजाता है तो आपको अपनी विधवा बहन, बुआ या साली के साथ नहीं रहना चाहिये। यदि पराई औरतों के साथ आपके अनैतिक संबंध हुये तो आप दीर्घायु नहीं हो सकते हैं। आपको रक्त संबंधी कोई विकार हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– अपना आचरण ठीक रखें।
2– जमीन पर रेंग कर बढ़ने वाले पौधे न लगायें।

उपाय :

– बहन और पुत्री को मिठाई दें।
2– भतीजा और भतीजी की सेवा करें।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

आपकी लाल किताब कुण्डली में बुध आठवें भाव में स्थित है। आपको कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। आपको गूढ़ विज्ञान में रूचि होगी या आपको उसका ज्ञान होगा। 34 साल की आयु केबाद आपका समय अच्छा होगा। आपको सरकार से सम्मान प्राप्त होगा। अपने ससुराल से आपको लाभ प्राप्त होगा।

यदि पराई औरतों के साथ आपके अनैतिक संबंध होंगे, आपके घर पर लाल, गुलाबी रंग के इस्तेमाल न होने वाले कपड़े या मिट्टी के बर्तन या टूटी हुई सीढ़ियॉ होंगी तो आपका बुध कमजोर हो सकता है। यदि आपका बुध किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपका धनबर्बाद हो सकता है। आपका समय बुरा हो सकता है। आप अज्ञात कारण से बर्बाद हो सकते हैं। आपको बुद्धिमानी के साथ काम करना होगा, अन्यथा आपको कारावास हो सकती है। आप अस्पताल या किसी एकांत स्थान पर जा सकते हैं। आपको अचानक अपने व्यवसाय में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– अपने घर पर लाल, गुलाबी रंग के इस्तेमाल न होने वाले कपड़े न रखें।
2– घर पर पूजा का स्थान न बदलें।

उपाय :

1–घर की छत पर बारिश का पानी रखें।
2– काले रंग की जांघिया पहनें ।

आपकी लाल किताब कुण्डली में बृहस्पति दसवें भाव में स्थित है। आपको अपने जीवन यापन के लिये अकेले ही संघर्ष करना पड़ सकता है। आप अपनी वीरता के द्वारा यश प्राप्त करेंगे। आप सोने, चांदी और कपड़ों से सम्बन्धित व्यवसाय के द्वारा भारी लाभ कमायेंगे। कपड़ों का व्यवसाय और दलाली के काम से आपको अधिक धन और यश प्राप्त होगा। 29 साल की आयुसे आपको सुख मिलना आरम्भ हो जायेगा। आपको अपने पिता से उतना सहयोग नहीं प्राप्त हो सकता है, जितना आपको आवश्यक होगा। आपको शिल्पकारी से संबंधित काम में बहुत धन प्राप्त होगा। आपकी धर्म में आस्था होगी और आप कल्याणकारी काम करेंगे। आपका वैवाहिक जीवन सामान्य होगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। सरकारी विभाग से संबंधित यात्राओं में आप बहुत धन कमायेंगे। विदेशी यात्रा के द्वारा भी आपको अधिक लाभ प्राप्त होगा।

यदि आप अपनी शिक्षा पूरी नहीं करेंगे, शेखचिल्ली की तरह सपनें देखते रहेंगे, आपके घर केपास या घर पर पीपल का कोई सूखा पेड़ होगा तो आपका बृहस्पति कमजोर हो सकता है।यदि आपका बृहस्पति किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप चरित्रहीन औरतों के साथ रहेंगे और दुःखी रहेंगे। अपनी संतान से आपके संबंध मधुर नहीं हो सकते हैं। आगजनी

के कारण आपको हानि हो सकती है। यदि आप 36 साल की आयु के बाद मन्दिर जायेंगे औरवहॉ पर प्रार्थना करेंगे तो आपको लाभ मिलेगा। आपको अपना चरित्र सही रखना चाहिये और चोरी के काम में शामिल नहीं होना चाहिये।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– सोना न बेचें।
2– सोना या पीले रंग के कपड़े न पहनें।

उपाय :

1– साधु और गुरू की सेवा करें।
2– पीपल के वृक्ष को जल दें।
3– 43 दिन तक बहते पानी में तांबे का सिक्का प्रवाहित करें।

आपकी लाल किताब कुण्डली में शुक्र नौवें भाव में स्थित है। आप बहुत भाग्यशाली नहीं हो सकते हैं। 25 साल की आयु के बाद आपका अच्छा समय आयेगा। अतः उसके बाद विवाह करें। आप धनी हो सकते हैं, लेकिन आपको अपनी आजीविका अर्जित करने के लिये परिश्रम करना पड़ सकता है। तीर्थस्थानों की यात्रा करना आपके लिये लाभदायक होगा। आप बुद्धिमान और धनी होंगे। आपकी मानसिक और इच्छा शक्ति बहुत दृढ़ होगी। इसका प्रभाव आपकी आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। आपको नौकरों का सुख प्राप्त होगा।

यदि आप 25 साल की आयु के बाद विवाह करते हैं, कम आयु में नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं, आपके घर पर एल्युमीनियम के बर्तन हुये तो आपका शुक्र कमजोर हो सकता है। यदि आपका शुक्र किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपको जीवनसाथी और धन के मामलों में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं हो सकता है। नशे की आदत के कारण आपको रोग हो सकते हैं। आपके गुप्तांगों में विकार हो सकता है। आपके भाई और संबंधी आपकी आर्थिक बर्बादी का कारण बन सकते हैं। दूसरों पर विश्वास करके आर्थिक लेन–देन में आपकोहानि हो सकती है। आपको खेती के कामों में अच्छा लाभ प्राप्त नहीं हो सकता है। आप और आपके जीवनसाथी समस्याओं का सामना कर सकते हैं। आप धन संग्रह नहीं कर सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– 25 साल की आयु के पूर्व विवाह न करें।
2– एल्युमीनियम के बर्तनों का प्रयोग न करें।

उपाय :

1– यदि आप नया घर बनाते हैं तो चांदी के बर्तन में शहद भरकर नींव में रखें।
2– चांदी की चूड़ियों को लाल रंग से रंग कर अपनी पत्नी को उसे बांयें हाथ में पहनने के लिये दें।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

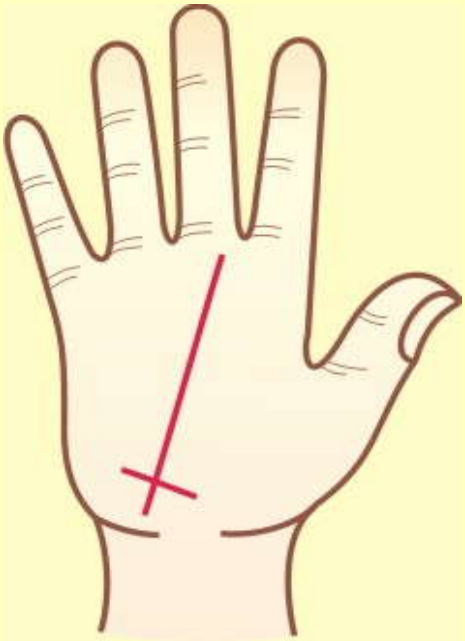

आपकी लाल किताब कुण्डली में शनि नौवें भाव में स्थित है। आप परोपकारी होंगे और लोगों की मदद करेंगे। इस कारण से आपको लाभ प्राप्त होंगे। आपके पास बहुत सम्पत्ति होगी। आपका संबंध कुलीन और बड़े परिवार से होगा। आप अपने भाई और मित्रों की मदद से धनी बनेंगे। आप बहुत धन कमायेंगे। चलते फिरते काम आपके लिये लाभकारी होंगे। आपको संतानसुख प्राप्त होगा, लेकिन आपको संतान प्राप्ति देर से हो सकती है। आपकी पत्नी धनी परिवार से होंगी। वे भाग्यशाली भी होंगी। आप अपने धन की परवाह नहीं कर सकते हैं। आपदयालु होंगे और हमेशा खुश रहेंगे। आप पर कर्ज का बोझ कभी नहीं होगा। आपको माता–पिता का सुख प्राप्त होगा। आप विद्वान होंगे। आप अपने माता–पिता से अधिक भाग्यशाली होंगे। तीर्थयात्रा से आपको शुभ परिणाम प्राप्त होंगे और आपका भाग्य चमकेगा। आप धार्मिक होंगे।

यदि आप दूसरों का धन हड़पने का प्रयास करेंगे, गलत काम करेंगे, अपने नाम पर तीन घर बनायेंगे, लोहे या मशीनरी से संबंधित किसी काम में शामिल होंगे या आपके घर में शीशम का पेड़ हुआ तो आपका शनि कमजोर हो सकता है। यदि आपका शनि किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप दमा या फेफडे के रोग से ग्रस्त हो सकते हैं। आपको संतान कासुख नहीं मिल सकता है या आपको पुत्र या पौत्र की प्राप्ति नहीं हो सकती है। आपको साहूकारी के व्यापार में हानि हो सकती है। आग के कारण आपको हानि हो सकती है। गलतकामों के कारण आप बदनाम हो सकते हैं। आपकी नजर कमजोर हो सकती है। आप अमीरों को लूट कर गरीबों में धन बांट सकते हैं। आपमें प्रतिशोध की भावना उत्पन्न हो सकतीहै।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– दूसरों का धन न हड़पें।
2– अपने घर की छत पर ईंधन, लकड़ी आदि न रखें।

उपाय :

1– माथे पर केसर का तिलक लगायें।
2– घर के अन्त में अंधेरे कमरे का निर्माण करें।

आपकी लाल किताब कुण्डली में राहु पहले भाव में स्थित है। आप धनी और बहुत अच्छे प्रशासक होंगे। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं तो आपको बहुत सम्मान मिलेगा। आपके ननिहाल के लोग आपके जन्म के बाद धनी हो जायेंगे। आपका जन्म अस्पताल या अपने ननिहाल में हुआ होगा। आपके जन्म के समय आकाश में बादल छाये हुये होंगे। आप अपनी 42 साल की आयु के बाद बहुत अच्छे और शुभ परिणाम प्राप्त करेंगे। आपकी आय के साधन एक से अधिक होंगे। यदि आपका एक व्यवसाय छूटता है तो दूसरा प्रारम्भ हो जायेगा। आप धनी होंगे। आपको बातूनी नहीं होना चाहिये। यह आपके लिये अच्छा नहीं हो सकता है।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

आप बेईमान या धोखेबाज हो सकते हैं। आप जीवन में विभिन्न प्रकार के परिवर्तनों से गुजरेंगे,जो आपकी माता और आपकी मानसिक शांति के लिये शुभ होगा।

यदि आप अपने ससुराल वालों से लोहे, बिजली का सामान, काले–नीले कपड़े बिना मोल दियेलेंगे, आंगन में धुऑ करेंगे, अपने बटुये में बिल्ली की जेर रखेंगे तो आपका राहु कमजोर हो सकता है। यदि आपका राहु किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपको अपने कामों में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। आपकी प्रगति धीमी हो सकती है और परिवर्तन अधिक हो सकते हैं। आपकी आयु का 11वॉ, 21वॉ और 42वॉ साल आपके पिता के लिये अच्छा नहीं हो सकता है। आपके परिवार के किसी सदस्य को दमा या मिर्गी हो सकता है। आप शरारती और निकम्मे हो सकते हैं। आपको भगवान में आस्था नहीं हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– आंगन में धुआं न करें।
2– तोंद न निकलने दें।

उपाय :

1– धार्मिक स्थान पर गुड़ और गेहूँ बांटें।
2– दूध से स्नान करें।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

आपकी लाल किताब कुण्डली में केतु सातवें भाव में स्थित है। आप अपनी 24 साल की आयु से धन कमाना शुरू कर देंगे। आपकी आयु बढ़ने के साथ आपका धन बढ़ेगा। आप अपने व्यवसाय के द्वारा उत्तम आय अर्जित करेंगे। आपकी संतान स्वस्थ और मजबूत होगी। आप अपने वचन के पक्के होंगे। आप समृद्ध और खुशहाल होंगे। आपकी संतानों की संख्या आपके जीवनसाथी के भाई–बहनों की संख्या के बराबर होगी। आपको 34 साल की आयु तक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन उसके बाद आपको शुभ परिणाम प्राप्त होंगे।आप धन का संग्रह करेंगे। आप कभी निराश नहीं होंगे। आपके शत्रु आपको हानि नहीं पहुँचा पायेंगे और आप उनको परास्त करेंगे।

यदि आप हर समय लिखने का काम करेंगे, झूठा वादा करेंगे, पराई औरतों के साथ अनैतिक संबंध रखेंगे, अपने जीवनसाथी के साथ झगड़ा करेंगे तो आपका केतु कमजोर हो सकता है। यदि आपका केतु किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके ननिहाल वालों की स्थिति 7 साल तक खराब रह सकती है और आपकी 34 साल की आयु के बाद वे परेशानी का सामना कर सकते हैं। कोई झूठा वादा आपकी अवनति का कारण बन सकता है। यदि आपने अपना वादा पूरा नहीं किया तो आपको हानि हो सकती है। आपको शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है या आप बीमार हो सकते हैं। आपकी संतानों पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। आप पत्नी और संतानों के कारण व्यग्र हो सकते हैं। आप कटु वचन बोल सकते हैं। आपका अहं आपको बर्बाद कर सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– पराई औरतों के साथ अनैतिक संबंध न रखें।
2– कलम के द्वारा अधिक लिखने का काम न करें।

उपाय :

1– 4 दिन तक पानी में 4 केले प्रवाहित करें।
2– 4 दिन तक पानी में 4 नींबू प्रवाहित करें।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

अन्धे ग्रहों की कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी कुण्डली के दसवें भाव में दो आपस में शत्रु ग्रह बैठ जायें, तो ऐसी कुण्डली को अंधें ग्रहों की कुण्डली (टेवा) कहते हैं। कुण्डली में दसवां भाव जातक का कर्म स्थान है, इस घर का जातक की कमाई से भी संबंध है, इसलिए ऐसे भाव में दो या दो से अधिक आपस में शत्रुता वाले ग्रह बैठ जायें तो, जातक के कर्मक्षेत्र में असंतुलन की स्थिति पैदा हो जाती है। जातक के नौकरी या व्यापार में पूरी तरह से स्थिरता नहीं आ पाती है। दसवें भाव में बैठे अंधे हो चुके ग्रहों को ठीक करने के लिए दस अंधों को भोजन कराना चाहिए।

निष्कर्ष – आपकी कुण्डली अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) नहीं है।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

आधे अन्धे ग्रहों की कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि चौथे भाव में सूर्य और सातवें भाव में शनि स्थित हों तो ऐसी कुण्डली को आधे अंधे ग्रहों की कुण्डली कहते है। इस ग्रह स्थिति का जातक के मानसिक स्थिति और व्यवसायिकजीवन पर अशुभ असर होगा। जातक की मानसिक शांति में काफी कमी आ सकती है। चौथा भाव हमारे गृहस्थ सुख का भी घर है, इस ग्रह स्थिति के कारण गृहस्थ सुख में भी कमी आने की संभावना होती है।

निष्कर्ष – यह कुण्डली आधे अंधे ग्रहों की कुण्डली(टेवा) नहीं है।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

धर्मी कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि कुण्डली में बृहस्पति के साथ शनि बैठा हुआ है, तो ऐसी कुण्डली को धर्मी कुण्डली (टेवा) कहते हैं। ऐसे जातक के जीवन में कभी भी कोई बड़ी समस्या नही आ सकती है, जो कि जीवन में उथल-पुथल मचा दे। किसी बहुत मुश्किल या कष्ट के समय उसे कहीं न कहीं से दैवीय सहायता प्राप्त हो जाएगी।

निष्कर्ष - यह कुण्डली धर्मी कुण्डली (टेवा) नहीं है।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

नाबालिग कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि कुण्डली के पहले, चौथे, सातवें और दसवें भाव (केन्द्र स्थान) में कोई भी ग्रह नहीं बैठा हुआ है या उनमे केवल बुध बैठा हुआ है। ऐसी कुण्डली, नाबालिग टेवा (कुंडली) कहलाती है। इस स्थिति में जातक की किस्मत बारह साल तक शक के दायरे में होती है।

लाल किताब के अनुसार, नाबालिक टेवा वाले जातक पर बारह वर्षो तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्न रूपेड़ पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुवित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

(१) उम्र के पहले साल में सातवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
(२) उम्र के दूसरे साल में चौथे भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
(३) उम्र के तीसरे साल में नवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
(४) उम्र के चौथे साल में दसवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
(५) उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
(६) उम्र के छठे साल में तीसरे भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
(७) उम्र के सातवें साल में दूसरे भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
(८) उम्र के आठवें साल में पांचवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
(९) उम्र के नवें साल में छठे भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
(१०) उम्र के दसवें साल में बारहवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
(११) उम्र के ग्यारहवें साल में पहले भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
(१२) उम्र के बारहवें साल में आठवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष - यह कुंडली (टेवा) नाबालिग टेवा नहीं है।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

लाल किताब पितृऋण और उपाय

आपकी कुण्डली में किसी भी प्रकार का ऋण नहीं लागु हो रहा है ।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

लाल किताब में वर्जित और अवर्जित नियम

(१)आपकी कुण्डली में शुक्र नवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको गरीब या यतीम लड़कों को पढ़ाई के लिए वजीफा देना या मुफ्त में पुस्तकें, पढ़ाई-लिखाई के सामान आदि नहीं देना चाहिए, अन्यथा आर्थिक दृष्टि से यह आपके लिए बुरा हो सकता है।

(२)आपकी कुण्डली में सूर्य सातवें या आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपकोसुबह या शाम के समय कोई भी दान नहीं करना चाहिए।

(३)आपकी कुण्डली में बुध तीसरे, आठवें, नवें या बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने घर में चौड़े पत्तों वाले पौधे जैसे मनी प्लांट इत्यादि नहीं लगाना चाहिए, अन्यथा आपके स्वास्थ्य पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा।

(४)यदि आपके घर के आखिरी में अंधेरी कोठरी है जिसमें दरवाजे के अतिरिक्त रोशनी आने के लिए कोई भी जगह नहीं है तो उसमें रोशनी के लिए रोशनदान या खिड़की नहीं खोलनी चाहिए, अन्यथा आपकी संतान पर इसका बुरा असर पड़ सकता है।

किसी कारण वश ऐसी कोठरी की छत बदलवानी पड़े तो पुरानी छत को गिराने से पहले उस कोठरी के उपर नई छत डलवा लें।

(५)यदि आपके घर में सोने चांदी के गहनों या रूपये-पैसे रखने के लिए सेफ, आलमारी, तिजोरी इत्यादि है, तो उसे कभी भी पुरी तरह खाली नहीं रखें।

(६)अपने मकान के कुछ हिस्सों में मिट्टी वाला स्थान अवश्य रखें।

(७)दक्षिणमुखी मकान में न रहें।

(८)झूठ न बोलें।

(९)झूठी गवाही न दें।

(१०)अपशब्द न बोलें।

(११)किसी को गाली न दें।

(१२)क्रूरता न करें।

(१३)ईश्वर पर विश्वास

Printed by - Mindsutra Software Technologies

रखें।

(१४)देवी- देवताओं की उपासना श्रद्धापूर्वक करें।

(१५)मांस-मछली न खायें।

(१६)शराब न पीयें।

(१७)कपड़े सलीके से पहनें।

(१८)कान-नाक छिदवायें।

(१९)दांत साफ रखें।

(२०)संयुक्त परिवार में रहें।

(२१)ससुराल से मधुर संबंध बनाकर रखें।

(२२)कन्याओं की पूजा करें। उन्हें हरे वस्त्र, उत्तम भोजन आदि देकर प्रसन्न रखें।

(२३)बहन-बेटी को मीठी वस्तुओं का उपहार दें।

(२४)जिस प्रकार माता की सेवा करते हैं, उसी प्रकार जीवनसाथी की भी उचित देखभाल करें।

(२५)भाभी (बड़े भाई की जीवनसाथी) की सेवा करें।

(२६)परिवार के सदस्यों का पालन करें।

(२७)मुफ्त में किसी से कुछ न लें।

(२८)नि:संतान की संपत्ति न लें।

(२९)बड़ों के चरण स्पर्श करके आशिर्वाद प्राप्त करें।

(३0)यथा संभव दक्षिणमुखी मकान में न रहें।

(३१)घर की छत में छेद न

Printed by - Mindsutra Software Technologies

रखें।

(३२)घर में थोड़ी बहुत कची जगह अवश्य रखें।

(३३)विकलागों को भोजन दें, उनकी सहायता करें।

(३४)पड़ोस में कोई असहाय विधवा हो तो उनकी सहायता करें।

(३५)मनुष्येतर जीवों – गाय, कुत्ता, कौवा, बन्दर आदि को भोजन दें।

(३६)काने और गंजे आदमी से सावधान रहें।

(३७)नाक को हमेशा साफ रखें।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

Now-17/12/2021-16:25:17

लाल–किताब वर्षफल

(17:12:2021 - 17:12:2022)

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

New Delhi

Contact - 9818193410,9350247058

लाल किताब वर्षफल

वर्षफल कुण्डली –1

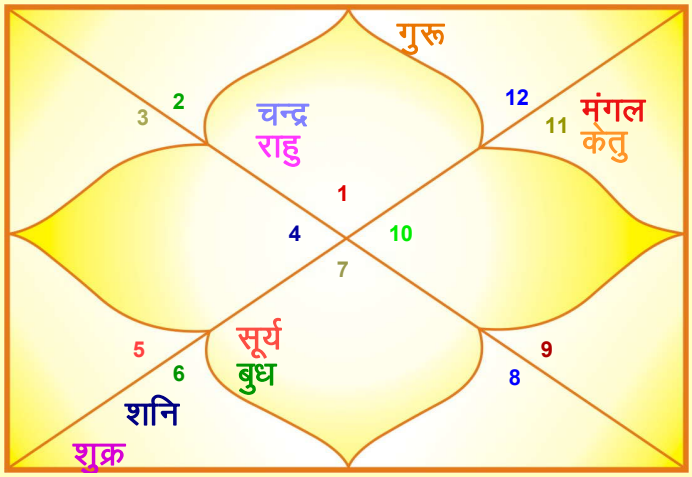

17:12:2021 -- 16:12:2022

लग्न कुण्डली (टेवा)

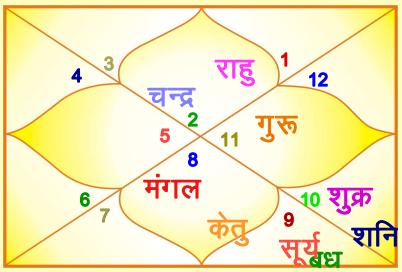

लाल किताब चंद्र कुण्डली

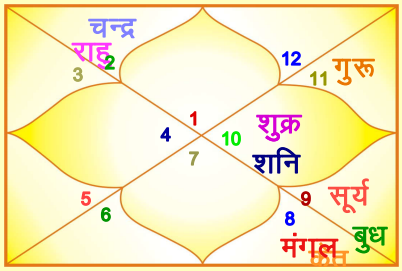

लाल किताब से वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भावस्थ	प्रभाव	पक्का घर	ग्योदय का ग्रह	साथी ग्रह	कायम ग्रह	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य (बद)	सप्तम्	ग्रह						हॉ	अशुभ भाव में
चन्द्र (बद)	लग्न	राशि				हॉ			शुभ भाव में
मंगल (बद)	एकादश	राशि						हॉ	शुभ भाव में
बुध	सप्तम्	ग्रह	हॉ						शुभ भाव में
गुरू (बद)	द्वादश	ग्रह						हॉ	शुभ भाव में
शुक्र (बद)	षष्टम्	ग्रह							अशुभ भाव में
शनि (बद)	षष्टम्	राशि							अशुभ भाव में
राहु	लग्न	राशि					हॉ		अशुभ भाव में
केतु (बद)	एकादश	राशि						हॉ	अशुभ भाव में

लाल किताब से वर्षफल में भावों (खानों) की स्थिति

खाना न॰	खाना न॰	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	किस्मत को जगाने
१	चन्द्रमा, राहु	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
२		शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
३		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
४		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
५		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
६	शुक्र, शनि	बुध	बुध केतु		बुध राहु	शुक्र केतु	केतु
७	सूर्य, बुध	शुक्र	शुक्र बुध		शनि		शुक्र
८		मंगल	मंगल शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
९		बृहस्पति	बृहस्पति	हाँ	केतु	राहु	शनि
१०		शनि	शनि	हाँ	मंगल	बृहस्पति	शनि
११	मंगल, केतु	शनि	शनि				बृहस्पति
१२	बृहस्पति	बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र केतु	बुध राहु	राहु

लाल किताब से वर्षफल

वर्ष पूर्ण – 1

(17:12:2021 - 16:12:2022)

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य ग्रह अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य ग्रह के अशुभता के कारण –

आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य सातवें भाव में स्थित है और बृहस्पति, शुक्र एवं बुध या शनि एवं राहु या शनि एवं केतु ग्यारहवें भाव में स्थित हैं।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपनी संतान के लिए चिन्ता लगी रहेगी। आपके घर में अग्निकांड हो सकते हैं। पत्नी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। व्यर्थ की धन हानि होने से आपकी मानसिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आपको घाटा उठाना पड़ सकता है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) कोई भी कार्य मीठी चीज खाकर और पानी पी कर शुरू करें।
(२) अग्नि में आहुति दें।
(३) नमक कम खायें।
(४) जमीन में तांबे के सात चौकोर टुकड़े दबायें।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा ग्रह अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा ग्रह के अशुभता के कारण –

आपकी वर्षफल कुण्डली में, चंद्रमा पहले भाव में स्थित है और सूर्य या शनि छठे भाव में स्थित है।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब केअनुसार, आलस्य और कामचोरी की वजह से आपके कार्य पूर्ण होने में बाधायें आ सकती हैं। आपके मन में निराशा और अवसाद की भावना पैदा हो सकती है। अपने अधीनस्थ महिला कर्मचारियों के साथ आपके अनैतिक संबंध स्थापित हो सकते हैं। पत्नी या माता का स्वास्थ्य चिन्तनीय हो सकता है। पूरे वर्षआप सर्दी-जुकाम से परेशान रह सकते हैं। जमीन-जायदाद संबंधी विवादों से भी आपको परेशानी होसकती है।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) दूध और दूध से बनी वस्तुओं का व्यापार न करें।
(२) अपनी माता की सेवा करें।
(३) चांदी के बर्तन का उपयोग करें।
(४) नदी पार करते समय उसमें पैसा बहाएं।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल ग्रह अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल ग्रह के अशुभता के कारण –

आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल ग्यारहवें भाव में स्थित है और छठे भाव में कोई ग्रह स्थित है।
आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल ग्यारहवें भाव में स्थित है और तीसरा भाव खाली है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लालकिताब के अनुसार, इस वर्ष आपका अपने भाइयों के साथ झगड़ा या मनमुटाव हो सकता है। अपने ही लोग आपके विरोधी हो सकते हैं। आपके मन में सांसारिक भोग और वासनात्मक रूचियों में बढ़ोत्तरीहो सकती है। आपकी संतान आपको धन हानि करा सकती है। धन संपत्ति को लेकर अपने पारिवारिक सदस्यों से आपका मनमुटाव हो सकता है।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपायकरना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) मिट्टी के बर्तन में शहद या सिन्दूर भरकर रखें।
(२) अपनी पैतृक संपति न बेचें।
(३) अपने पुत्र के जन्मदिन पर साले और भांजे को उपहार दें।
(४) अपने बहन-बहनोई की सेवा करें।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध ग्रह शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार,इस वर्ष आप अपने जीवनसाथी अथवा अन्य स्त्रियों से संबंधित किसी कार्य से बड़ी मात्रा में धन प्राप्त करेंगे। इस वर्ष लकड़ी आदि के व्यापार से भी आपको बड़ी कमाई हो सकती है। इस वर्ष आपविदेश यात्रा या किसी विदेशी संबंध से भी धन प्राप्त कर सकते हैं। अपने परिवार में भी

मान-सम्मान प्राप्त होगा। सामान्यत: स्त्रियों से आपको इस वर्ष विशेष सहायता और सहयोग की प्राप्ति होगी।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) किसी भी कार्य को करने से पहले मीठा खायें।
(२) हीरे की अंगुठी पहनना लाभदायक होगा।
(३) घर में हरी घास रोपें।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति ग्रह अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति ग्रह के अशुभता के कारण –

आपकी वर्षफल कुण्डली में, बृहस्पति बारहवें भाव में स्थित है और कोई अन्य ग्रह सातवें भाव में स्थितहै।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, धर्म-कर्म के कार्यों में आप जरा भी ध्यान नहीं दे सकते हैं, जिससे आपके मानसिक तनाव में वृद्धि होगी। इस वर्ष आपके पिता और दादा में मतभेद हो सकते हैं। आपके गलत अनुमानों की वजह से आपको आर्थिक हानि हो सकती है। आपको इस वर्ष गलत कार्यों पर अपना धन नहीं नष्ट करना चाहिए।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) पीपल के वृक्ष की सेवा करें।
(२) केसर का तिलक लगायें।
(३) दूसरों को धोखा न दें।
(४) गले में माला इत्यादि न पहनें।
(५) अपनी नाक साफ रखें।
(६) साधु-संतों और बुजुर्गों की सेवा करें।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र ग्रह अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र ग्रह के अशुभता के कारण –

आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र छठे भाव में स्थित है और पहले भाव में कोई ग्रह स्थित है।
आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र छठे भाव में स्थित है और मंगल एवं बृहस्पति के अलावा कोई ग्रह छठे या सातवें भाव में स्थित है।
आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र छठे भाव में स्थित है और बृहस्पति एवं सूर्य सातवें भाव से बारहवें भाव के बीच स्थित हैं।
आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र छठे भाव में स्थित है और राहु दूसरे भाव में स्थित है या दूसरा भाव खाली है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में कड़वाहट रह सकती है और आपके जीवनसाथी के पैरों या पैरों की एड़ी में कष्ट हो सकता है। आपके जीवनसाथी को इस वर्ष गुप्त रोग होने की भी संभावना हो सकती है। किसी स्त्री से विवाद होने के कारण आपको आर्थिक हानि भी उठानी पड़ सकती है। इस वर्ष प्रणय संबंध में किसी मित्र के द्वारा विश्वासघात की भी संभावना है।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

(१) अपनी पत्नी को नंगे पांव न चलने दें।
(२) स्त्रियों का आदर करें।
(३) ठोस चांदी अपने पास रखें।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि ग्रह अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि ग्रह के अशुभता के कारण –

आपकी वर्षफ्ल कुण्डली में, शनि छठे भाव में स्थित है और पहले भाव में कोई अन्य ग्रह स्थित है।

आपकी वर्षफ्ल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस पूर्णिमा के दिन कोई भी शुभ कार्य की शुरूआत न करें। आपके अहंकार में वृद्धिहोगी, जिससे आपके नजदीकी व्यक्तियों से आपका संबंध बिगड़ सकता है। आपको चमड़े की कोईभी वस्तु दान या मुफ्त में नहीं लेनी चाहिए। आपके परिवार में किसी व्यक्ति को किडनी से संबंधितरोग होने की भी संभावना है। न्यायालय में विचाराधीन मामलों में आपका पक्ष कमजोर हो सकताहै। आकस्मिक चोट लगने की भी संभावना है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) मिट्टी के किसी बर्तन में सरसों का तेल रखकर विराने में दबायें।
(२) चमड़े से बनी वस्तुओं का क्रय-विक्रय न करें।
(३) काला कुत्ता पालें।
(४) छः नारियल बहते हुए पानी में बहायें।
(५) लोहे की वस्तुएं न खरीदें।
(६) अपना जूता चोरी न होने दें।

Printed by - Mindsutra Software Technologies

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु ग्रह शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी मित्रता प्रभावशाली व्यक्तियों से होगी और उनसे आपको लाभ प्राप्त होगा। आपके ननिहाल की हालत भी ठीक रहेगी। आपको घूस इत्यादि लेने से बचना चाहिए और अहंकार को अपने मन में बिल्कुल नहीं आने देना चाहिए। धन संपत्ति के मामलों में भी यह वर्ष उत्तम रहेगा।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) गेहूँ, गुड़ और तांबे का दान किसी धार्मिक स्थान में करें।
(२) खाने-पीने में विशेष सावधानी बरतें।
(३) बिजली के उपकरण किसी से भी मुफ्त में न लें।
(४) नहाने से पहले दूध से अपने शरीर की मालिश करें।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु ग्रह अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु ग्रह के अशुभता के कारण –

आपकी वर्षफल कुण्डली में, केतु ग्यारहवें भाव में स्थित है और छठे भाव में कोई अन्य ग्रह स्थित है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके घर आने वाले अतिथियों की संख्या अधिक होगी, जिसकी वजह से आप पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। यदि आप कोई शुभ कार्य करने जा रहे हैं तो अपने पीछे मुड़कर नदेखें। अपनी संतान की ठीक तरह से देखभाल करें। अपना बीता हुआ कल दूसरों को न सुनायें।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) आपकी पत्नी को चाहिए कि रात में अपने सिरहाने मूली रखकर सोयें और सुबह में उसे किसी धर्मस्थान में दान करें।
(२) काला कुत्ता पालें।
(३) ससुराल से काला-सफेद चकला (रोटी बनाने के प्रयोग में आने वाला उपकरण) मंगा कर घर में रखें।

Printed by - Mindsutra Software Technologies